UP Board Notes Class 7 Hindi Chapter 1
नैनीतालभ्रमणम् (अनिवार्य संस्कृत)

एकदा ..... अवसाम।

हिन्दी अनुवाद- एक बार ललिता बगीचे में गई। वहाँ कला और रुचि मिले। वहाँ ललिता ने कला से पूछा, "कला, तुम कहाँ घूमने गई थी? कौन-कौन तुमको अच्छे लगे।" तब कला ने उससे कहा। मैं गर्मी के अवकाश में माता के साथ नैनीताल नगर गई। वहाँ मेरी छोटी बहन कीर्ति और पिता जी थे। हम वहाँ एक होटल में ठहरे।

तत्र ..... अभ्रमाम।

हिन्दी अनुवाद- वहाँ एक बड़ा तालाब है। यहाँ प्रात: मैं और कीर्ति तालाब के चारों ओर घूमे। हम दोनों ने पिता जी से नौका से यात्रा करने के लिए कहा। दोपहर में हम तीनों नौका से तालाब में घूमे।।

तत्र अनेका ..... इच्छामि।
हिन्दी अनुवाद- वहाँ अनेक नाव पर्यटकों को लेकर इधर-उधर जा रही थी। लोग नावों में बैठकर मनोरंजन कर रहे थे। हमने भी नावों से जाकर आनन्द अनुभव किया। पर्वतों के बीच नौका भ्रमण से बहुत आनन्द उत्पन्न हुआ। ललिता ने कहा, "मैं भी नैनीताल नगर देखने की इच्छा करती हूँ।"

https://www.evidyarthi.in/